विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-06/06/2020***
वर्ग-पंचम ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
चेतक

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने चेतक कविता का आधा भाग अध्ययन किया। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपने अध्ययन-सामग्री पूरे मनोयोग से पढ़ा होगा। आज की कक्षा में आपको उसी कविता का शेष पढ़ना है। जो कि इस प्रकार है:—

हय यहीं रहा अब यहाँ नहीं,
वह वहीं रहा, है वहाँ नहीं।
थी जगह न कोई जहाँ नहीं,
किस अरि-मस्तक पर कहाँ नहीं?
बढ़ते नद-सा वह लहर गया,
वह गया, गया फिर ठहर गया।
विकराल वज्रमय बादल-सा,
अरि की सेना पर क़हर गया।

भाला गिर गया, गिरा निषंग,
हय- टापों से खन गया अंग।
बैरी समाज रह गया दंग,
घोड़े का ऐसा देख रंग।

<u>गृहकार्य</u> :—

बच्चों कविता को उत्तर- पुस्तिका में लिखें तथा याद करें एवं याद करके माता-पिता की सुनाएँ।